भजन

तर्ज– खुदा करे मोहब्बत में

पिया ऐसी है साहेबी दिखाई, यहां पे अब जी ना लगे
याद घर की हमें है आई, यहां पे अब जी ना लगे

1 कोई नहीं है यहां पे अपना,
झूठा है इस जग का सपना
ना जाए सही ये जुदाई, यहां पे अब जी ना लगे

2 दूल्हा मेरे मैं तेरी दुल्हनिया,
ना भाए हमें झूठी ये दुनिया
रूहे तेरी है इसने सताई, यहां पे अब जी ना लगे

3 इश्क ने तेरे पागल बनाया,
तेरी जुदाई ने तड़पाया
इस खेल से दो अब रिहाई, यहां पे अब जी ना लगे